माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0	5	1	हिन्दी

…कर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक – 321 –

YEDUCATIONMA
माध्यमिकशिक्षामण्डल, म.प्र.
500

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	2	4	3	1	2	5	5

शब्दों में

दो	दो	दो	च…	…	…ए	दो	पांच	पांच

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ								
1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में X शब्दों में X

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 12

ग – परीक्षा की दिनांक 19 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H.S.S. EXAM-2022 केन्द्र क्रमांक- 241035

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Anjna Chourasiya, Chourasia, 19/02/2022	[signature]

साधना … सहायक केन्द्राध्यक्ष कोलानी … DHT…3301

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है। निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम कीं मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
श्रीमती इन्दिरा सोलंकी, उच्च माध्यमिक शिक्षक, उच्च माध्यमिक विद्यालय क्र.4, धार	श्री कालूसिंह सोलंकी, उ. मा. शिक्षक, … विद्यालय कड़ोदकला

नोट :– ''हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।''

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न ही पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में लें। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखें उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेंगा।

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

प्रश्न क्र.

प्र.9.1 का उ.

उ.1 जग-जीवन का
उ.2 तुलसीदास की
उ.3 जब मन खाली हो
उ.4 चाँद सिंह को
उ.5 आनंद यादव
उ.6 उपरोक्त सभी

प्र.9.2 का उ.

उ.1 प्रत्याशा
उ.2 लछमिन
उ.3 मराठी
उ.4 अधिक
उ.5 उत्साह
उ.6 मात्रिक
उ.7 आकाश

प्र.9.3 का उ.

उ.1 बात की चूड़ी मर जाना
उ.2 अवधूत
उ.3 सिल्वर वैडिंग वैडिंग
उ.

प्र.9.3 का उ.

1. बात की चूड़ी मर जाना ⟶ बात का प्रभावहीन हो

प्रश्न क्र.

2. अवधूत → शिरीष के फूल |

3. सिल्वर वैडिंग → यशोधर बाबू |

कहानी का केन्द्र बिन्दु → कथानक |

चौपाई छंद → 16-16 मात्राएँ |

तत्सम → संस्कृत के मूल शब्द |

प्र.क्र. 4 का उ.

उ. 1. सूर्योदय होने पर |

उ. 2 दो |

उ. 3 मोहनजोदड़ो |

उ. 4 15 से 30 मिनट |

उ. 5 तीन |

उ. 6 अलग घर बसा लेना |

उ. 7. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं |

प्र.क्र. 5 का उ.

उ. 1 सत्य |

उ. 2 असत्य |

उ. 3 सत्य |

उ. 4 असत्य

उ. 5 असत्य |

उ. 6 असत्य |

प्र.क्र. 6 का उ.

उ. 6. बच्चे इस आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे कि

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

सुबह से भोजन की तलाश में निकले उनके माता-पिता
सूर्यास्त की बेला में अब लौट रहे होंगे वे उनके लिए
भोजन का दाना लाएँगे।

प्र.क्र. 7 का उ.

उ.7 उषा कविता में कवि ने भोर के नभ की तुलना राख से
लीपे हुए चौके (चूल्हे) से की है, जो अभी गीला है। नमी
कारण आकाश का रंग धूमिल है। सूर्योदय के साथ ही
आकाश साफ हो जाता है, जिस प्रकार सूखने के बाद चूल्हा
साफ-सुथरा हो जाता है।

प्र.क्र. 8 का उ.

उ.8 भक्तिन के आ जाने से भक्तिन महादेवी अधिक देहाती हो
गई, भक्तिन ने लेखिका को सीमित संसाधनों में सरल
जीवन जीने के लिए प्रेरित किया, जिसके चलते महादेवी
को रात का मकई का दलिया सुबह के मट्ठे से सौंधा
लगने लगा। बाजरे के तिल लगे पुए, ज्वार के भुट्टों
हरे दानों की स्वादिष्ट खिचड़ी का स्वाद महादेवी लेने लगी

प्र.क्र. 9 का उ. (अथवा)

उ.9 लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत कहा है क्योंकि
अवधूत कालजयी अवधूत अर्थात काल को जीतने वाला
सन्यासी। जिस प्रकार संयासी सुख-दुख, कष्ट-कठिन
में समान भाव में रहकर जीवन का आनंद लेता है
प्रकार शिरीष का पेड़ ग्रीष्म ऋतु की प्रचंड गर्मी में
जब लोगों प्राण सूखते हैं, तब भी इस वृक्ष का प्रत्येक

योग पूव पृष्ठ

प्रश्न क्र.

सरस बना, फलता-फूलता रहता है।

प्र॰क्र॰10 का उ॰

उ॰ यशोधर बाबू के माता-पिता बचपन में ही उन्हें छोड़कर चले गए थे, फिर उनका पालन पोषण उनकी बुआ ने किया, जब नौकरी तलाश में बाहर आए तो उन्हें किशन दा ने सहारा दिया। किशन दा सिद्धान्तवादी व्यक्ति थे, जो पुराने रीति-रिवाजों को मानते थे। उनके सानिध्य में किशनदा यशोधर बाबू भी पुरानी विचारधारा के हो गए और अपने आपको नयी विचारधारा में ढालने में असफल रहे जबकि उनकी संयुक्त परिवार की जिम्मेदारी उठाते हुए अपनी इच्छाओं को मारती चली गई और बच्चे के आग्रह पर अपने-आप को नयी विचारधारा में ढालने लगी इस प्रकार यशोधर बाबू की पत्नी अपने आप को समय के साथ परिवर्तित करने में सफल होती है जबकि यशोधर बाबू असफल रहते हैं।

प्र॰11 का उ॰

उ॰11 समाचार लेखन में मुख्यत: निम्न छ: सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है:-

1. क्या ?
2. कब ?
3. कहाँ ?
4. कौन ?
5. क्यों ?
6. कैसे ?

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्र.क्र. 12 का उ.

उ.12. करुण रस - जब सहृदय के हृदय में करुणा या शोक नामक भाव का अनुभाव, विभाव और संचारीभाव के साथ संयोग होता है, तो करुण रस की उत्पत्ति होती है।

उदा. दुख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूँ आज जो नहीं कही।

प्र.क्र. 13 का उ.

उ.13. सोरठा छन्द - सोरठा छंद एक मात्रिक छंद है, जिसमें चार चरण होते हैं। पहले और तीसरे चरण में 11 मात्राएँ और दूसरे और चौथे में 13 मात्राएँ होती हैं। दोहा को उल्टा करने से सोरठा बनता है।

उदा. जानि गौरि अनुकूल, सिय हिय हरषि न जाय कहि।
मंजुल मंगल मूल वाम अंग फरकनि लगे।

प्र.क्र. 14 का उ.

उ.14.

	मुहावरे	लोकोक्ति
1.	मुहावरे ऐसे वाक्यांश होते हैं जो वाक्य के बीच में प्रयुक्त होकर वाक्य की रोचकता और प्रभावकारिता को बढ़ाते हैं।	लोकोक्ति लोगों के द्वारा कही गई उक्ति होती है। लोगों को एक जैसा अनुभव होता है, तो उनके मुँह से जो कहावत निकलती है उसे लोकोक्ति है।
2.	मुहावरे अपने आपमें	लोकोक्ति अपने-आप में पूर्ण वाक्यांश

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 8 क अक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

पूर्ण नहीं होते है। वह वाक्यांश वाक्य पर निर्भर रहते है	होती है।

प्र.क्र. 15 का उ०

क्र.1 ईश्वर के अनेक नाम हैं।
क्र.2 मुझे केवल बीस रुपये दीजिए।

प्र.क्र. 16 का उ०

तुलसीदास जी

दो रचनाएँ – रामचरितमानस, पार्वती मंगल।

भावपक्ष –

1. राम चरित्र की प्रधानता – तुलसीदास जी के प्राय: सम्पूर्ण काव्य मे राम चरित्र की प्रधानता है। पुरुषोत्तम राम उनके आराध्य है। पार्वती मंगल, कृष्ण गीतावली और हनुमान बाहुक को छोड़कर हम कह सकते हैं कि सम्पूर्ण काव्य राममय है।

2. भक्ति की भावना – तुलसीदास जी 'रामभक्ति' शाखा के प्रख्यात कवि है। उन्होंने राम की अनन्य भक्ति की है। धार्मिक दृष्टि से उदार होने का प्रमाण शिव, दुर्गा, गणेश आदि सभी देवताओं की भक्ति करके दिया है।

M P B S E

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न क्र.

P B S E

कलापक्ष

1. भाषा - तुलसीदासजी का ब्रज और अवधी दोनों भाषाओं पर समान अधिकार था। 'रामचरितमानस' महाकाव्य सरस अवधी भाषा में लिखा गया जिसके अन्तर्गत ब्रज, राजस्थानी, बुन्देली, भोजपुरी भाषा के शब्द देखने को मिलते हैं।

2. शैली - तुलसीदास जी ने अपने पूर्ववर्ती कवियों की विभिन्न शैलियों का प्रयोग अपने काव्य में किया है। रामचरितमानस प्रबंध शैली में लिखा गया जबकि विनय पत्रिका में गीति शैली का प्रयोग किया गया।

साहित्य में स्थान - तुलसीदास जी लोक कवि हैं, उनके काव्य से जीने की कला सीखी जा सकती है। वे हिन्दी साहित्य के उत्कृष्ट कवि हैं। उनके विषय में 'सूर-सूर तुलसी शशि' कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगा। उनका हिन्दी साहित्य में स्थान अद्वितीय है।

प्र.क्र. 17 का उ.

महादेवी वर्मा

महादेवी वर्मा की दो रचनाएँ - नीरजा, रश्मि।

भाषा शैली - प्रारंभिक कविता में ब्रजभाषा का प्रयोग किया गया। इसके पश्चात सम्पूर्ण काव्य में संस्कृत मिश्रित खड़ी बोली का प्रयोग किया गया। भाषा सरल, सहज, कोमल, मधुर, प्रवाहपूर्ण है। रचनाओं में

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
MPBSE

प्रश्न क्र.

रस, छंद, अलंकार, शिल्प और प्रतीकों का प्रयोग किया गया। साहित्य विचारात्मक, वर्णनात्मक शैली का प्रयोग किया गया। रचनाओं में हृदय की अनुभूतियों को स्थान दिया गया। रचनाओं में पीड़ावाद और निराशावाद को स्थान दिया गया।

साहित्य में स्थान - महादेवी वर्मा छायावादी युग की सुप्रसिद्ध लेखिका हैं। उन्हें छायावाद के चार स्तंभों में से एक माना जाता है। महादेवी वर्मा का साहित्य जगत में अद्वितीय स्थान है। इन्हें मंगला प्रसाद पुरस्कार से सम्मानित किया गया, फिर भारत सरकार पद्मभूषण से सम्मानित किया और उनके मरणोपरांत उन्हें पद्म विभूषण की उपाधि भी दे दी गई। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया गया। भारत का सर्वोच्च साहित्य पुरस्कार ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्र.क्र. 18 का उ.

	उपसर्ग	प्रत्यय
1.	उपसर्ग का प्रयोग शब्द के पहले होता है। उपसर्ग शब्दों के आगे जोड़े जाते हैं।	प्रत्यय शब्दों के पीछे जोड़े जाते हैं।
2.	उपसर्ग के जुड़ने से शब्द का अर्थ बदल	प्रत्यय के जुड़ने से शब्द का अर्थ उसके ईर्द-गिर्द ही रहता

प्रश्न क्र.

जाता है	है
3. उपसर्ग निम्न प्रकार से जोड़े जाते हैं - अनु + याचित → अनुयाचित	प्रत्यय निम्न प्रकार लगाता है सफल + ता → सफलता दूध + वाला → दूध वाला

प्र.क्र. 19 का उ. [अथवा]

उ. 1 शीर्षक - शौर्यभाव।
उ. 2 राष्ट्रीय भावना में शौर्यभाव का विशिष्ट स्थान है।
उ. 3 बड़ा या विस्तृत।

प्र. 20 का उ. (अथवा)

कविता एक — — — — — — — — क्या जाने

संदर्भ - प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक 'आरोह' में संकलित कविता 'कविता के बहाने' से अवतरित है इसके रचयिता श्री कुँवर नारायण जी हैं।

प्रसंग - प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने कविता की उड़ान तुलना चिड़िया की उड़ान से करते हुए, कविता की उड़ान को असीमित और अनंत बताया है।

व्याख्या - कवि कहते हैं कि चिड़ियाँ बस बाहर-भीतर, इस घर-उस घर सब जगह उड़ती है, किन्तु चिड़िया की उड़ान सीमित होती है, किन्तु कविता कवि के भाव, विचा- कल्पनाओं, उसकी अंतरमन की उड़ाने है जो असीमित और अनंत है। कविता के उड़ने का कोई क्षेत्र सीमित नहीं हो

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

वह अनंत काल तक जीवित रहती है। हजारों वर्ष पूर्व की कविता को पढ़ते और सुनते समय वही रसोत्पादन करती है जो पूर्व में करती थी। यह लोगों के मन मस्तिष्क और हृदय में जीवंत रहती है। कविता की उड़ान अनंत है और इस बात को नादान चिड़िया क्या जाने?

काव्य सौंदर्य
~~विशेष~~ - (1) भाषा सरल, सहज और भावानुकूल है।
(2). चिड़िया क्या जाने? में प्रश्नालंकार है।

पृ.क्र. 21 का उ. (अथवा)

संदर्भ - प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक 'आरोह' में संकलित पाठ 'पहलवान की ढोलक' से ली गई है। जिसके रचयिता 'फणीश्वर नाथ रेणु' जी है।

प्रसंग - प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक ने महामारी के दौरान रात्रि की विभीषिका का वर्णन किया है।

व्याख्या - लेखक कहते है कि जिस समय उनके गांव महामारी फैली हुई थी, उस समय वहाँ की स्थिति अत्यंत कष्टप्रद थी। उस समय में उस रात्रि की विभीषिका या सन्नाटे मे सिर्फ पहलवान की ढोलक की ध्वनि ही थी जो मलेरिया और हैजा से अर्द्धमृत, औषधि उपचार से विहीन दर्द से कराहते लोगों के अंदर संजीवनी शक्ति का ~~देकर~~ संचार कर रही थी।

M P B S E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 13 के अंक कुल अंक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

विशेष (1) भाषा, सरल, सहज और समझने योग्य है।
(2) अकाल या महामारी की स्थिति का दुखद वर्णन हुआ है।

प्र०.9.22 का उ०. (पत्र)

P.T.O.

M P B S E

योग पूर्व पृ०

प्रश्न क्र.

पत्र

विजयनगर कॉलोनी,
भोपाल (म.प्र)

19 फरवरी 2022.

प्रिय मित्र कमलेश,

मैं यहाँ सकुशल हूँ और आशा करती हूँ कि तुम भी वहाँ कुशलतापूर्वक होगे। मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि मेरे बड़े भाई की शादी तय हो गई है। यह शादी चाँदनी मैरिज गार्डन में दिनांक 25 फरवरी को हो रही है। मैं चाहती हूँ कि तुम भी मेरी इस खुशी में शामिल होने आओ। मुझे अत्यंत खुशी होगी। अपने साथ अपने छोटे भाई को अवश्य लाना। तुम्हारे माता-पिता को मेरा सादर प्रणाम कहना। तुम जरूर आना। मैं तुम्हारा इंतजार कर रही हूँ।

तुम्हारी मित्र,

अ.ब.स।

M P B S E

पर्यावरण प्रदूषण

1. प्रस्तावना।
2. प्रदूषण के प्रकार और उनके कारण।
3. जल प्रदूषण।
4. वायु प्रदूषण।
5. मृदा प्रदूषण।
6. ध्वनि प्रदूषण।
7. प्रदूषण की समस्या के समाधान में हमारा योगदान
8. उपसंहार।

1. प्रस्तावना – आज प्रदूषण पर्यावरण में फैलकर उसे दूषित बनाता है, जिसका प्रभाव मानव जीवन पर नकारात्मक पड़ता है। आज प्रदूषण के कारण से मानव जाति को अनेक प्रकार की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। अतः इसे रोकना आवश्यक है।

2. प्रदूषण के प्रकार और उनके कारण – प्रदूषण के अनेक प्रकार हैं जो निम्न है। साथ ही उनके कारण भी निम्न हैं –.

3. जल प्रदूषण – आज किसान अपनी खेती की पैदावार बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों का प्रयोग करता है। जिससे वर्षा के समय खेतों से बहकर जाने पर नाला (जल) नदियों को दूषित करता है जिसके कारण मनुष्यों और जानवरों को अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

4. वायु प्रदूषण – वाहनों से निकलने वाले धुँए से वायु

M P B S E

प्रश्न क्र.

प्रदूषित होती है। जिससे मनुष्य को फेफड़ों के कैंसर और साँस की बीमारी का सामना करना पड़ता है।

5. **मृदा प्रदूषण** – मृदा प्रदूषण अनेक माध्यमों से होता है मुख्य रूप से हमारे द्वारा जो प्लास्टिक का प्रयोग किया जाता है, वो करोड़ों वर्ष तक ज्यों का त्यों रहता है। मिट्टी के अंदर विभिन्न रसायनों को फैलाता है। इससे मृदा का उपजाऊपन कम होता है।

6. **ध्वनि प्रदूषण** – वाहनों से निकलने वाली ध्वनियों से तथा हमारे द्वारा लाउडस्पीकर का प्रयोग करने से ध्वनि प्रदूषण होता है। जिससे जानवरों को अत्याधिक कष्ट होता है।

7. **प्रदूषण की समस्या के समाधान में हमारा योगदान** –

प्रदूषण की समस्या का समाधान करने के लिए पहले हमें स्वयं जागरूक होना पड़ेगा। हम न खुद प्रदूषण फैलाए और न ही दूसरों को फैलाने दें। तभी हम अपना वातावरण प्रदूषण मुक्त कर सकते हैं।

8. **उपसंहार** – आज पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए कई संस्थाएँ और संगठन काम कर रहे हैं। पर्यावरण के प्रदूषित होने के कारण कई वैश्विक समस्याएँ हो रही हैं जैसे – ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन गैस का बढ़ना आदि अतः हमें इन्हें रोकना चाहिए यह अत्यन्त आवश्यक है। हमारा एकमात्र लक्ष्य पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना होना चाहिए।

M P B S E